व्यक्तिगत जानकारी

एक्सटें ान रिफार्म्स (आत्मा) योजनान्तर्गत
कृशि उत्पादकता पुरस्कार

1. कृशक/महिला कृशक का नाम : श्री गजानंद पटेल
2. पिता/पति का नाम : श्री कौ ाल प्रसाद पटेल
3. भौक्षणिक योग्यता : आठवीं
4. जाति : अघरिया

निवासी : छपोराडीह (प्रमाण पत्र संलग्न करें)
कितने वर्श से .. जन्म से

5. परिवार में सदस्यो की संख्या : 04
6. जन्मतिथि : 07–09–1966
7. मुख्य व्यवसाय :..कृशि... कितने वर्श से 30 वर्श से
8. अन्य व्यवसाय संबंधित जानकारी : बीज उत्पादन कार्यक्रम
9. ग्राम का नाम : छपोराडीह
10. विकासखण्ड का नाम : महासमुंद
11. तहसील : महासमुंद
12. जिला : महासमुंद
13. पत्र व्यवहार का पता : ग्राम – छपोराडीह, पो. – जलकी, तहसील/जिला – महासमुंद, पिन 493445 (छ.ग.)

14.क्या आप सहकारी समिति के सदस्य है : हॉ

15.क्या आपने एक्सटें ान रिफार्म्स (आत्मा) योजनान्तर्गत राज्य एवं जिला स्तरीय प्रि ाक्षण में भाग लिया हैं – हां

सफलता की कहानी

महासमुन्द सिरपुर मार्ग पर सिरपुर से 8 किलोमीटर पूर्व ग्राम जलकी स्थित है । जलकी में धान मुख्यतः सामान्य रोपा पद्वति से लगाया जाता था,तथा कुछ समय से रोपा में श्रमिक लागत अधिक आने से कास्त लागत बढ रही थी। कृशि विभाग की वृहत धान प्रद ान योजनांतर्गत इस ग्राम के 100 हेक्टेयर क्षेत्र में श्री विधि से धान उत्पादन का कार्यक्रम लिया गया। जलकी के प्रगति ाील कृशक श्री गजानंद पटेल श्री मुरलीधर चौधरी एवं श्री तुलसीराम पटेल का कहना हैः–

सामान्य रोपा में प्रति एकड रू 2500 तक खर्च आता था,एक स्थान पर 2 से 4 पौधे रोपे जाते थे,निंदाई में अधिक खर्च आता था। श्री पद्वति से धान लगाने में प्रति एकड रू 1500 से 2000 में तथा अपेक्षाकृत कम समय में रोपा लगाया जा सकता है।

धान के पौधो के बीच पर्याप्त दुरी होन व कतार में पौधे होने से कृशि यंत्र के द्वारा कम समय व कम खर्च में निंदाई भी की जा सकती है । श्री पद्वति से लगाये गये धान में 70 कंसे से अधिक आ रहे है। अभी तक कट चुके एम.टी.यू.1010 किस्म के धान में प्रति एकड उत्पादन 32 क्विटंल प्राप्त हुआ है,जबकि सामान्य रोपा पद्वति मे यह 24–25 क्विंटल ही प्राप्त होता था। श्री पद्वति अपनाने से लागत में रू 1500–2000 की कमी 4–5 क्विंटल अधिक उत्पादन तथा पानी की बचत देखकर आगामी वर्श इसका रकबा हमारे गांव में दो गुना होना तय है ।

ग्राम छपोराडीह के कृशक श्री आंदनराम साहू के प्रद ान प्रक्षेत्र पर हरित क्रांति विस्तार योजना के सलाहकार डॉ.सत्यवीर सिंह द्वारा स्वयं फसल कटाई प्रयोग किया गया जिसमें प्रति हेक्टेयर उत्पादनता 93 क्विंटल दर्ज की गई है । गतवर्श के परिणामें से उत्साहित होकर इन ग्रामों के कृशको द्वारा इस वर्श भी 70 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में श्री अथवा कतार रोपा की पद्वति से धान की खेती की जा रही है।

कास्त विधि लागत आय कल और अब

क्र.	फसल	1996 के पूर्व	वर्तमान में
1	धान	4 हेक्टे. परम्परागत विधि से	100 हेक्टे.श्री विधि से

कुल उत्पादन		
धान	250 क्वि.	5000 क्वि.
कुल आय	250000.00	5000000.00
कास्त लागत	**125000.00**	**2300000.00**
आदान सामग्री	50000.00	1000000.00
श्रम लागत	50000.00	1000000.00
अन्य लागत	25000.00	1300000.00
शुद्ध लाभ	**125000.00**	**2700000.00**

गजानंद पटेल
ग्राम – जलकी
जिला – महासमुन्द